an>

Title: Need to expedite payment of arrears to sugarcane farmers in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) ः भारत में गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य बकाया वर्तमान चालू वर्ष 2014-2015 में लगभग 21 हज़ार करोड़ रूपए है। केवल उत्तर प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष में बकाया गन्ना मूल्य 8 हज़ार करोड़ रूपए है जबकि गन्ना किसानों की नगदी फसल है। गन्ने की आय से किसानों के परिवार की जीविका चलती है। किसान के गन्ने की पर्चियों के भुगतान से वे अपने बच्चों की पढ़ाई की फीस, बेटी का विवाह तथा परिवार के सदस्यों का इलाज कराते हैं। किसानों का गन्ना नकदी फसल होने के बावजूद देश एवं उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों द्वारा विगत पेराई सत्र का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया। सरकार के बार-बार चेतावनी देने के बाद भी किसानों का हज़ारों करोड़ रूपया चीनी मिलों पर वर्ष 2014-15 का बाकी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बकाया 8 हज़ार करोड़ रूपए गन्ना मूल्य के सापेक्ष में 50 करोड़ रूपए जारी करने का निर्णय लिया गया है जिसके कारण किसानों में काफी रोष एवं क्षोभ व्याप्त है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि किसानों की परेशानियों को देखते हुए उनके गन्ने की बकाया धनराशि के भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए।